SHRI JAIRAM RAMESH (Karnataka): Sir, when is the Aadhaar Bill coming up? ...(*Interruptions*)...

श्री उपसभापतिः आप बैठिए। ...(**व्यवधान**)... Only what Mr. Budania says will go on record. बुढानिया जी, बोलिए।

Need to give constitutional status to the Backward Classes Commission

श्री नरेंद्र बुढानिया (राजस्थान)ः सर, हमारे देश की 125 करोड़ की आबादी में से सबसे बड़ा वर्ग ओबीसी का है और इसका जो प्रतिशत है, ...(**व्यवधान**)...

श्री उपसभापतिः इस बारे में एश्योरेंस आया है, फिर इसकी क्या जरूरत है? ...(**व्यवधान**)...

श्री नरेंद्र बुढानियाः सर, जरूरत है। यह पहले से दिया हुआ है। ...(**व्यवधान**)...

श्री उपसभापतिः ठीक है, बोलिए। ...(**व्यवधान**)...

श्री नरेंद्र बुढानियाः सर, 52 प्रतिशत से ज्यादा हमारा ओबीसी वर्ग है, लेकिन बड़े अफसोस के साथ यह कहना पड़ रहा है कि वह मुख्य धारा में नहीं है। 70 वर्षों में केलकर कमीशन और मंडल कमीशन बने, लेकिन मुझे यह कहते हुए दुःख होता है कि आज एग्जिक्यूटिव, लेजिस्लेटिव और ज्यूडिशियरी में हमारे इस ओबीसी वर्ग का प्रतिनिधित्व नगण्य है, ज़ीरो के बराबर है।

महोदय, आज यह वर्ग, जिसका इस देश की जीडीपी बढ़ाने में बहुत बड़ा योगदान है, यह अपना खून और पसीना बहाकर देश की जीडीपी को बढ़ाता है, लेकिन जब इस वर्ग की अनदेखी होती है, तो बड़ी तकलीफ होती है। मैं यह कहना चाहता हूँ कि सभी पार्टीज़ के लोग, जो इस वर्ग से जुड़े हुए हैं, वे बहुत लम्बे समय से इस मांग को उठाते रहे हैं। सर, मुझे याद आता है कि वर्ष 1993 में जब नरसिंह राव जी की सरकार बनी थी, तब ओबीसी को 27 प्रतिशत रिज़र्वेशन दिया गया था। संविधान में यह स्पष्ट लिखा है कि सामाजिक एवं शैक्षिणक रूप से पिछड़े लोगों को आरक्षण दिया जाएगा। महोदय, मेरे पास संविधान है और इसकी धारा 340 में यह साफ लिखा हुआ है।

महोदय, मैं यह निवेदन करना चाहता हूँ कि आज हमारी सबसे बड़ी मांग यह है कि ओबीसी आयोग को संवैधानिक दर्जा दिया जाए। हालांकि उसको यह दर्जा अब दिया गया है, लेकिन मेरा यह ज़ीरो ऑवर जब कल लगा था, तब तक यह बात नहीं थी। महोदय, यह creamy layer कहां से आ गई? आज creamy layer की वजह से ओबीसी के लोगों को इतना बड़ा नुकसान हो रहा है कि उसके बारे में मैं आपको बता नहीं सकता। महोदय, इस creamy layer को हटाना चाहिए, क्योंकि यह कोई गरीबी हटाने का कार्यक्रम नहीं है, बल्कि यह शैक्षणिक और सामाजिक रूप से पिछड़े हुए लोगों को मुख्य धारा से जोड़ने का कार्यक्रम है। आज हमारी क्या हालत है? जो ओबीसी वर्ग के लोग हैं, लोग उनको चारपाई पर नहीं बैठने देते थे। मंदिरों में नहीं जाने देते थे, पास में नहीं बैठने देते थे। छुआछूत थी...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Okay. Time over. ...(*Interruptions*)... Yes, all names should be added.

SHRI SATISH CHANDRA MISRA (Uttar Pradesh): Sir, I associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRI ANANDA BHASKAR RAPOLU (Telangana): Sir, I too associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRI P. BHATTACHARYA (West Bengal): Sir, I too associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRI T. K. S. ELANGOVAN (Tamil Nadu): Sir, I too associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRI PREM CHAND GUPTA (Jharkhand): Sir, I too associate myself with the matter raised by the hon. Member.

DR. PRADEEP KUMAR BALMUCHU (Jharkhand): Sir, I too associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRI RITABRATA BANERJEE (West Bengal): Sir, I too associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRI K. SOMAPRASAD (Kerala): Sir, I too associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRI K. C. RAMAMURTHY (Karnataka): Sir, I too associate myself with the matter raised by the hon. Member.

श्री राम नाथ ठाकुर (बिहार): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय से सम्बद्ध करता हूं।

श्री रवि प्रकाश वर्मा (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय से सम्बद्ध करता हूं।

डा. चंद्रपाल सिंह यादव (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय से सम्बद्ध करता हूं।

श्री आलोक तिवारी (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय से सम्बद्ध करता हूं।

श्रीमती छाया वर्मा (छत्तीसगढ़): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय से सम्बद्ध करती हूं।

SOME HON. MEMBERS: Sir, we too associate ourselves with what the hon. Member has mentioned.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Shrimati Jaya Bachchan, absent. Shrimati Kanimozhi.

Concern over mercury contamination of the catchment area of river Vaigai in Kodaikanal

SHRIMATI KANIMOZHI (Tamil Nadu): Sir, a mercury thermometer factory, which was set up in Kodaikanal, was closed down in 2001. The Hindustan Unilever Limited later admitted that more than 20 tonnes of mercury may have been lost in